राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिंदी विभाग तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 'कार्यालय में राजभाषा का प्रयोग: हिंदी टंकण, टिपण्ण और मसौदा लेखन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला 26.03.2025 को आयोजित -रिपोर्ट

आज दिनांक **26.03.2025** को श्यामलाल महाविद्यालय के सेमिनार कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिंदी विभाग तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में **कार्यालय में राजभाषा का प्रयोग: हिंदी टंकण, टिपण्ण और मसौदा लेखन**' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रति अधिक से अधिक जागरूकता और संवेदनशीलता उत्पन्न करना था ताकि महाविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा मिल सकें।

कार्यक्रम का संचालन राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक एवं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री डॉ. वी.के.बाजपेयी ने किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री केवल कृष्ण का स्वागत श्री डॉ. वी.के.बाजपेयी जी ने पौधा देकर किया, तत्पश्चात हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. सत्यप्रिय पांडेय ने राजभाषा हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हम सबको अपनी राजभाषा का सम्मान करना चाहिए।

तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री केवल कृष्ण ने अपने वक्तव्य में राजभाषा हिंदी के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान में राजभाषा के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया उन्होंने यह याद दिलाया की हिंदी केवल इस देश की राजभाषा ही नहीं है अपितु देश की संस्कृति और आस्था का प्रतिनिधित्व करने वाली भाषा भी है। सभी प्रशासनिक कार्य अपने देश की भाषा में ही हो, क्योंकि यही तरक्की और विकास की भाषा है। देश का विकास देश की भाषा के प्रयोग से ही हो सकता है।

कार्यक्रम के वक्ता श्री केवल कृष्ण जी ने राजभाषा नीति के महत्व को बताया। इसके पश्चात श्री केवल जी ने कार्यशाला हिंदी,टंकण, हिंदी टिप्पण और मसौदा लेखन के लिए महत्वपूर्ण ई - टूल्स को बताया। आपने कंठस्थ 2.0 , हिंदी शब्द सिंधु वर्जन2.0 हिंदी शब्दकोश, लीला - प्रबोध, प्रवीण एवं प्रज्ञा, लीला हिंदी प्रवाह, अनुवादिनी, भाषिनी, अनुवाद को कैसे प्रयोग कियाजाए, इसका प्रशिक्षण सभी शैक्षणिक, गैर - शैक्षणिक वर्ग के कर्मचारियों को दिया। इसके पश्चात केवल कृष्ण जी ने सभी प्रश्नों का उत्तर दिया।

कार्यक्रम के संयोजकa डॉक्टर वी के वाजपेई जी ने कहा कि सूचना और प्रौद्योगिकी के इस युग में इन सभी टूल्स का प्रयोग करके हम सभी कार्यों को बड़ी आसानी से हिंदी में कर सकते हैं और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सुनिश्चित कर सकते हैं।

कार्यक्रम में श्री डॉ. वी.के.बाजपेयी ने प्रधानाचार्य, श्यामलाल कॉलेज श्री रबि नारायण कर, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की संयोजक प्रो. कुशा तिवारी, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री केवल कृष्ण एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों का धन्यवाद अर्पण किया। कार्यक्रम में शैक्षणिक वर्ग से डॉ. राजकुमार प्रसाद, डॉ. निधि, डॉ. सुमन, डॉ. रश्मिता साहू उपस्थित थे तथा गैर शैक्षणिक वर्ग में प्रशासनिक अधिकारी श्री अतुल जैन तथा अनुभाग अधिकारी श्री मनोज कुमार तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक वर्ग के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

डॉ. प्रभात जी ने अंत में सभी का धन्यवाद किया। इस कार्यशाला में सभी गैर - शैक्षणिक वर्ग के कर्मचारियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए। श्रीअतुल जैन, प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि इस कार्यशाला के द्वारा हमें पता चला कि हम कैसे ई - टूल्स की सहायता सेहिंदी में काम कर सकते हैं, अनुवाद कर सकते हैं।

AL COLLEGE

NAAC A++

श्यामलाल महाविद्यालय

राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिन्दी विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

द्वारा आयोजित

एक दिवसीय कार्यशाला

26 मार्च, 2025

कार्यालय में राजभाषा का प्रयोगः हिंदी टंकण, टिप्पण एवं मसौदा लेखन

प्रो. रबी नारायण कर
प्राचार्य
श्यामलाल महाविद्यालय

वक्ताः

केवल कृष्ण
भूतपूर्व वैज्ञानिक–एफ
(वरिष्ठ तकनीकी निदेशक),
राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र

समय : 11:00 बजे

स्थानः सेमीनार हॉल

डॉ. वी.के. वाजपेयी
संयोजक, राजभाषा कार्यान्यवन समिति श्यामलाल महाविद्यालय

डॉ. सत्यप्रिय पाण्डेय
प्रभारी, हिन्दी विभाग
श्यामलाल महाविद्यालय

प्रो. कुशा तिवारी
निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

प्रो. रबी नारायण कर
प्राचार्य
श्यामलाल महाविद्यालय

डॉ. प्रभात शर्मा, डॉ. अवनीश मिश्रा, डॉ. निधि मिश्रा, डॉ. रमेश कुमार बर्णवाल
डॉ. हनुमंत लाल मीणा, डॉ. सुमन, रश्मिता साहू